Hindi Murli Quiz 15-11-2015

.

Q.1) **Q. “वर्तमान समय ---------- का पार्ट सभी यथा शक्ति बजा रहे हैं। लेकिन अब अन्तिम समय समीप आते हुए विशेष ----------- रूप का पार्ट प्रैक्टिकल में बजाना पड़े।“**

निम्नलिखित तीन विकल्पों में से एक सबसे उपयुक्त विकल्प से उपरोक्त दोनों रिक्त स्थान भरें।

A. महादानी-वरदानी
B. वरदानी-महादानी
C. मायाजीत-जगतजीत

Q.2) **Q. “वरदान को जीवन में लाना, स्मृति स्वरूप बनना इसमें नम्बरवार हो गये। कोई निरंतर बने और कोई कभी-कभी बने। इस अन्तर के कारण दो मालायें बन गई। जो सदा वरदान के स्मृति स्वरूप रहे उनकी माला भी सदा सिमरी जाती है और जिन्होंने वरदान को कभी-कभी जीवन में लाया वा स्मृति स्वरूप में लाया उन्हों की माला भी कभी-कभी सिमरी जाती है।“**

A. सही
B. गलत

Q.3) **Q. वाक्यों को उनके अर्थ अनुसार ही मिलाएं ------**

	Choice		Match
A	महादानी विशेष वाणी द्वारा सेवा करते हैं,	1	उतना ही सिद्धि स्वरूप बन साइलेंस के स्वरूप की अनुभूति करनी है।
B	वरदानी रूप में वाणी की परसेन्टेज कम होती है,	2	स्वयं सदा वरदानों से सम्पन्न।
C	तीनों शक्तियाँ- मन(संकल्प), बुद्धि और संस्कार अपने अधिकार में हों, ,	3	उनकी मन्सा की परसेन्टेज वाणी से कम होती है।
D	वरदानी मूर्त अर्थात्	4	अन्यथा वरदानी स्वरूप की सेवा जितनी करनी चाहिए, उतनी नहीं कर सकते।
E	जितना ही साधनों द्वारा सेवा की स्टेज पर आना है,	5	मन्सा की परसेन्टेज ज्यादा होती है।

Q.4) **Q. वरदानी रूप में वाणी कम और, मन्सा की परसेन्टेज ज्यादा होती है। इसी सन्दर्भ में मन्सा सेवा की मुख्य विशेषताएं और मन्सा सेवा की आवश्यकताये चयन / टिक करें-----**

A. .मन्सा सेवा अर्थात् संकल्प द्वारा शुभ भावना और कामना द्वारा सेवा।
B. मन्सा सेवा से थोड़े समय में ज्यादा सेवा का प्रत्यक्ष फल देख सकते हो।
C. मन्सा द्वारा सेवा करने के लिए पहले स्वयं में शुद्ध संकल्प चाहिए।
D. संकल्पों को सेकेण्ड में कन्ट्रोल करने का विशेष अभ्यास चाहिए अर्थात संकल्प शक्ति अपने कन्ट्रोल में हो।
E. जिस समय चाहे शुद्ध संकल्पों के सागर के तले में जाकर साइलेंस स्वरूप हो जाए अर्थात् ब्रेक पावरफुल हो।

Q.5) **Q. “इस वर्ष स्वयं की शक्तियों द्वारा, स्वयं के गुणों द्वारा निर्बल आत्माओं को बाप के समीप लाओ। वर्तमान समय मैजारिटी आध्यात्मिकता की ओर चलने के लिए अपने को हिम्मतहीन समझते हैं। उनमें इच्छा रूपी एक टाँग तो प्रत्यक्ष रूप में दिखाई दे रही है। अब उन्हें अपनी शक्ति से हिम्मत की दूसरी टाँग दो। अपने वरदानों से हिम्मत में लाओ, उल्लास में लाओ तब निर्बल आत्मायें आपके सहयोग से वर्से के अधिकारी बन सकेंगी।“**

A. सही
B. गलत

Q.6) **Q. दादियों से मुलाकात पर आधारित मैचिंग की इस एक्सरसाइज में रिक्त स्थान का उपयुक्त शब्द से ही मैच करें ------**

	Choice		Match
A	बापदादा ने पूछा कि समय -------आ रहा है वा आप समय के ------ आ रही हो ?	1	ड्रामा।
B	-------- आपको चला रहा है या आप ------- को चला रहे हैं ?	2	भविष्य।
C	जैसे अभी भविष्य प्रालब्ध ------ है वैसे ड्रामा में क्या होना है,आगे चलकर वह भी ------ होगा।	3	समीप।
D	जितना एकान्तवासी होंगे उतना टचिंग्स अच्छी आयेंगी। क्या होना है, यह	4	स्पष्ट।

	वर्तमान समान-------क्लीयर हो जायेगा।		

Q.7) **Q "साइलेन्स द्वारा ऐसा स्पष्ट उत्तर मिलेगा जो वाणी द्वारा भी कम स्पष्ट होता। जैसे साकार में देखा बीच-बीच में कारोबार में रहते भी गुम अवस्था की अनुभूति होती थी ना। सुनते- सुनाते डायरेक्शन देते अन्डरग्राउण्ड हो जाते थे। तो अभी इस अभ्यास की लहेर चाहिए। चलते-चलते देखें कि यह जैसे कि गायब हैं । इस दुनिया में है नहीं। यह फरिश्ता इस देह की दुनिया और देह के भान से परे हो गये। इसको ही सब साक्षात्कार कहेंगे।"**

A. सही

B. गलत

Q.8) **Q. एकान्तवासी बनना ही अन्डरग्राउण्ड है। इस स्टेज का अभ्यास करने के रिजल्ट स्पष्ट / टिक करें ---**

A. जो भी सामने आयेगा वह इसी स्टेज में साक्षात्कार का अनुभव करेगा।

B. ऐसी स्टेज में जब अनुभव समान साक्षात्कार होंगे तो फिर प्रत्यक्षता होगी। नाम बाला होगा।

C. .इसी को ही वरदानी रूप कहा जाता। जो आये वह अनुभव कर जाए।

D. बात करते-करते खुद भी गुम दूसरे को भी गुम कर देंगे। यह भी होना है।

E. यह अनुभव करने और कराने की स्टेज समस्याओं का हल सेकेण्ड में करेगी। टाइम कम और सफलता ज्यादा होगी।

Q.9) **Q. वरदान पर आधारित निम्नलिखित वाक्य सही हैं अथवा गलत हैं ?**
"संगठन की शक्ति को बढ़ाना - यह ब्राहमण जीवन का पहला श्रेष्ठ कार्य है। इसके लिए जब कोई भी बात मैजारटी वेरीफाय करते हैं, तो जहाँ मैजारटी वहाँ मैं--यही है संगठन की शक्ति को बढ़ाना। इसमें यह बढ़ाई नहीं दिखाओ कि मेरा विचार तो बहुत अच्छा है। भल कितना भी अच्छा हो लेकिन जहाँ संगठन टूटता है वह अच्छा भी साधारण हो जायेगा। उस समय अपने विचार त्यागने भी पड़े तो त्याग में ही भाग्य है। इससे ही सफलता स्वरूप बनेंगे। समीप संबंध में आयेंगे।"

A. सही

B. गलत

Q.10) **Q. निम्नलिखित रिक्त स्थान भरें -----**

"सर्व सिद्धियां प्राप्त करने के लिए मन की -------------को बढ़ाओ।"